



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 253]
No. 253]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 20, 2003/आश्विन 28, 1925
NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 20, 2003/ASVINA 28, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना
नई दिल्ली, 20 अक्टूबर, 2003

विषय : चीनी ताइपेई (ताईवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य तथा यूएसए से टोल्यून डाइ आइसोसाइनेट के आवात के बारे में पाटनरोधी जांच शुरू करना।

सं. 14/19/2003-डीजीएडी.— मैं ० टीपोएम कन्सलटेन्ट्स प्रा. लिं ० ने मैं ० नर्मदा केमेटर पेट्रोकेमिकल्स लिं०, की ओर से सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली 1995 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीनी ताइपेई (ताईवान), ईयू, जापान, कोरिया गणराज्य और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित टोल्यून डाइ आइसोसाइनेट के पाटन का आरोप लगाया गया है और पाटनरोधी जांच शुरू करने और पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

1. विचाराधीन उत्पाद

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद टोल्यून डाइ आइसोसाइनेट है। टोल्यून डाइ आइसोसाइनेट (टीडीआई) एक कार्बनिक रसायन है। यह क्लीयर लिक्विड है और उसका उपयोग फ्लेक्सिबल पॉलियूरेथेन फोम के उत्पादन में किया जाता है जिसे बाद में विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग में लाया जाता है। टीडीआई का विनिर्माण विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है।

टोल्पून डाइ आइसोसाइनेट सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत एक कार्बनिक रसायन है। टीडीआई का विस्तृत सीमाशुल्क वर्गीकरण 29291002 है।

2. घरेलू उद्योग की स्थिति

वर्तमान याचिका मै ० नर्मदा केमेटर पेट्रोकेमिकल्स लि० द्वारा दायर की जा रही है जो भारत में इसका एक मात्र उत्पादक है।

3. शामिल देश/क्षेत्र

वर्तमान जांच में शामिल देश/क्षेत्र चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू जापान, कोरिया गणराज्य और यूएसए हैं (जिन्हें आगे संबद्ध देश/क्षेत्र कहा गया है)।

4. समान वस्तुएँ

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू जापान कोरिया गणराज्य और यूएसए के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तु के समान वस्तुएँ हैं। याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित वस्तु को नियमों के अर्थ के भीतर संबद्ध देश/क्षेत्र से आयातित वस्तु के समान वस्तु माना जा रहा है।

5. पाटन और पाटन मार्जिन

सामान्य मूल्यः- याचिकाकर्ता ने निर्यातक देशों के घरेलू बाजार में प्रचलित कीमत के आधार पर चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू जापान, कोरिया गणराज्य और यूएसए के मामले में सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

निर्यात कीमतः- याचिकाकर्ता ने आवश्यक समायोजन करने के बाद आयात संबंधी आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत का दावा किया है।

सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है ।

इस बात का पर्याप्त साक्ष्य है कि चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू जापान, कोरिया गणराज्य और यूएसए में विचाराधीन उत्पाद का सामान्य मूल्य उस कीमत से काफी अधिक है जिस कीमत पर इसका भारत का निर्यात किया गया है जिससे प्रथम दृष्टया यह पता चलता है कि चीनी ताइपेई (ताइवान), ईयू जापान, कोरिया गणराज्य, और यूएसए के निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है ।

6. क्षति एवं कारणात्मक संबंधः- घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मापदंड जैसे कि उत्पादन, बिक्री, लाभ/हानि इत्यादि सामूहिक एवं संचयी रूप से यह संकेत देते हैं कि घरेलू उद्योग को पाटन के कारण वास्तविक क्षति हुई है । इस बात के प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य हैं कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है ।

7. पाटनरोधी जांच की शुरूआतः- उपरोक्ता पैराग्राफों को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आरोपित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा तथा उसके प्रभाव की पाटनरोधी जांच आरंभ करते हैं ।

8. जांच की अवधि:- वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2002 से 30 जून, 2003 (15 महीने) तक की है ।

9. सूचना प्रस्तुत करना:- संबद्ध देशों/क्षेत्र के निर्यातकों और भारत के आयातकों, जो इस जांच के संबंध में ज्ञात हैं, को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी, वाणिज्य मंत्रालय, पाटनरोधी निदेशालय, उद्योग भवन, नई दिल्ली 110011 को निर्धारित विधि और पद्धति से संबंधित सूचना प्रस्तुत करें और अपने विचारों से अवगत कराएं । अन्य कोई हितबद्ध पक्षकार भी जांच से संबंधित अपने निवेदन निमानुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर निर्धारित विधि और पद्धति से कर सकता है ।

10. समय सीमा:- वर्तमान जाँच से संबंधित कोई भी सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपरोक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुंच जानी चाहिए । तथापि, जिन ज्ञात निर्यातकों और आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है, उन्हें अलग से लिखे गए पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर सूचना देनी होगी ।

11. चूंकि, पाटनरोधी जाँच एक समयबद्ध कार्यवाही है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्धारित समय के भीतर उत्तर प्राप्त न होने अथवा किसी भी तरह से सूचना के अपूर्ण होने की स्थिति में उपर्युक्त नियमों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं ।

12. सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण:- नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं ।

13. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं करता है अथवा जाँच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जाँच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं ।

एल. वी. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्रधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 20th October, 2003

Subject : Initiation of anti-dumping investigations concerning import of Toluene Di-Isocyanate from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA.

No. 14/19/2003-DGAD.— M/s TPM Consultants Pvt. Ltd., New Delhi, on behalf of M/s. Narmada Chematur Petrochemicals Limited, has filed a petition before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 alleging dumping of Toluene Di-Isocyanate from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA and has requested for initiation of anti-dumping investigations and levy of anti-dumping duties.

1. Product Under Consideration:

The product under consideration in the present petition is Toluene Di-Isocyanate. Toluene Di-Isocyanate (TDI) is an organic chemical. It is a clear liquid and is used for production of Flexible Polyurethane Foam, which in turn is used in various applications.

TDI is manufactured in various grades.

Toluene Di-Isocyanate is an organic chemical classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The detailed custom classification of TDI, is 29291002.

2. Domestic Industry Standing:

The Present petition is being filed by M/s. Narmada Chematur Petrochemicals Limited who is the sole domestic producer in India.

3. Country(ies)/ Territory Involved: The countries/territory involved in the present investigations are Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA (referred to as subject countries/territory hereinafter).

4. Like Goods: The petitioner has claimed that goods produced by it are like articles to the goods originating in or exported from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA. Goods produced by the petitioner are being treated as Like Articles to the goods imported from the subject countries/territory within the meaning of the Rules.

5. Dumping and Dumping Margin :

Normal Value: The petitioner has constructed the normal value in case of Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA on the basis of price prevailing in the domestic market of the exporting countries.

Export price: The petitioner has claimed export price based on the import figures after making necessary adjustments.

Considering the normal value and export price the dumping margins are higher than the de-minimis limit.

There is sufficient evidence that the normal values of the product under consideration in the Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA are significantly higher than the prices at which it has been exported to India, indicating, *prima facie*, that the subject goods are being dumped by the exporters from Chinese Taipei (Taiwan), EU, Japan, Korea RP and USA.

6. Injury and Causal Link: The various economic indicators relating to domestic industry such as production, sales, profit/loss etc. collectively and cumulatively, indicates that the domestic industry has suffered injury. There is sufficient *prima facie* evidence that the imports of the product under consideration have caused material injury to the domestic industry.

7. Initiation of Anti-Dumping Investigation: In view of the foregoing paragraph, the Designated Authority initiates anti-dumping investigations to determine the existence, degree and effect of alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory.

8. Period of Investigation: The period of investigation for the purpose of the present investigations is from 1st April, 2002 to 30th June, 2003 (15 months).

9. Submission of Information: The exporters in the subject countries/territory and the importers in India known to be concerned are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Designated Authority, Ministry of Commerce, Directorate of Anti- Dumping, Udyog Bhavan, New-Delhi -110011. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below.

10. Time Limit: Any information relating to the present investigations should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days from the date of publication of this notification. The known exporters and importers, who are being addressed separately, are, however, required to submit the information within forty days from the date of letter addressed to them separately.

11. Anti-dumping investigations being a time bound exercise, the Designated Authority may record its findings on the basis of facts available on record in accordance with the Rules supra, if no response is received within the time stipulated or the information is incomplete in any respect.

12. Inspection of Public File: In terms of Rule 6(7), any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

13. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

L.V. SAPTHARISHI, Designated Authority